अप्रैल माह की साधनायें

लक्ष्मी पंचमी पर लक्ष्मी साधना के अद्वितीय बीस सूत्रः

प्रत्येक गृहस्थ इन सूत्रों-नियमों का पालन कर जीवन में लक्ष्मी को स्थायीत्व प्रदान कर सकता है। लक्ष्मी का एक विशिष्ट स्वरूप है ''बीज लक्ष्मी'' एक वृक्ष की ही भांति एक छोटे से बीज में सिमट जाता है- लक्ष्मी का विशाल स्वरूप। बीज लक्ष्मी साधना में भी उतर आया है भगवती महालक्ष्मी के पूर्ण स्वरूप के साथ-साथ जीवन में उन्नति का रहस्य।

उक्त साधना जो कि दिनांक 02 अप्रैल 2025 को है जो कि मार्च की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 17 से 18 पर आई हुई है।

महातारा जयन्ती पर सम्पूर्ण भोग व ऐश्वर्य प्रदायक तारा साधना

देवी का शिरोदेश व्याघ्र-चर्म से आवृत्त है। ये तीनों लोकों का ऐश्वर्य प्रदान करने वाली है, साधकों को सुख देने वाली और सर्व लोक भयंकरी है। वैसे तो हर साधना अपने आप में विशिष्ट होती है, किन्तु हर साधना का अपना-अपना अलग ही महत्त्व होता है, तारा साधना व्यक्ति को सम्पूर्ण भोग व ऐश्वर्य प्रदान करती है, इसे सम्पन्न कर साधक थोड़े समय में ही वह सब कुछ प्राप्त कर सकता है, जो उसके भौतिक जीवन की आवश्यकता होती है।

उक्त साधना जो कि दिनांक 06 अप्रैल 2025 को है जो कि मार्च की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 19 से 20 पर आई हुई है।

हनुमान जयन्ती पर संकट मोचन साधना

हनुमान मूल रूप से भगवान शंकर के अवतार है, क्योंकि जब भगवान विष्णु द्वारा राम का स्वरूप ग्रहण कर अवतार लिया गया तो शंकर ने हनुमान के रूप में अवतार लिया। इस प्रकार विष्णु एवं रूद्र के प्रभाव से ही विशिष्ट माया क्रियायें पूर्ण हो सकी। मूलतः हनुमान में वीर भाव के साथ-साथ सेवा तथा आदर्श का स्वरूप मुख्य रूप में हैं। ऐसा अपने आप में पूर्णत्व प्राप्त करने के लिये जिस समर्पण भाव का हनुमान स्वरूप में वर्णन मिलता है वहीं समर्पण-स्वरूप साधक द्वारा ग्रहण करने से ही पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है।

उक्त साधना जो कि दिनांक 12 अप्रैल 2025 को है जो कि मार्च की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 22 से 23 पर आई हुई है।

अनंग त्रयोदशी पर कामदेव रति साधना

हर कोई पुरूष जन्म से सुन्दर और आकर्षक नहीं हो सकता, और हर स्त्री पूर्ण सुन्दरता से युक्त नहीं हो सकती, लेकिन क्या ऐसा संभव है, कि इस रूप से सिद्ध साधना की जाय कि कामदेव स्वयं पुरूष के भीतर स्थित हो जाये तथा रति स्त्री के भीतर स्थित हो जाये, जिससे रूप और यौवन, आकर्षक भीतर ही भीतर बन कर प्रस्फुटित हो।

यही सही है कि जीवन में पूर्णता प्राप्त करने के लिये काम पर विजय प्राप्त करनी चाहिये, लेकिन सम्पूर्णता तथा मोक्ष की प्राप्ति काम से बच कर नहीं हो सकती, इस पर विजय प्राप्त करने के लिये इसमें सिद्धि प्राप्त करनी ही होगी, तभी पूर्णता आ सकेगी जीवन में।

उक्त साधना जो कि दिनांक 10 अप्रैल 2025 को है जो कि मार्च की पत्रिका के पृष्ठ संख्या 25 से 27 पर आई हुई है।